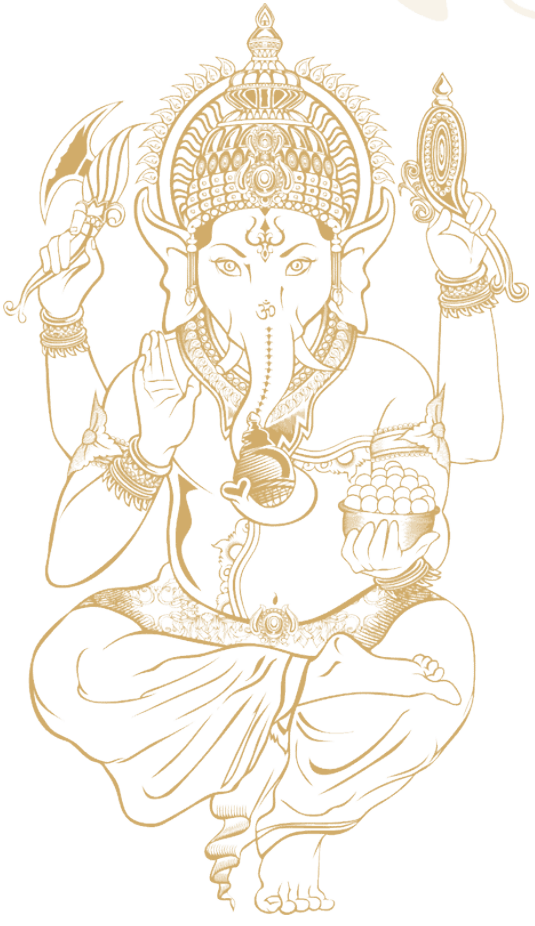

Dhiraj Wadera

15 Oct 1992

10:38 PM

Amritsar

Model: web-freekundliweb

Order No: 119209803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/10/1992**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:38:00 घंटे**
इष्ट	40:11:11 घटी
स्थान	**Amritsar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:35:00 उत्तर
रेखांश	74:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:07:44 घंटे
वेलान्तर	00:14:15 घंटे
साम्पातिक काल	23:45:38 घंटे
सूर्योदय	06:33:31 घंटे
सूर्यास्त	17:58:11 घंटे
दिनमान	11:24:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:50:04 कन्या
लग्न के अंश	16:51:40 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:51:40	315:39:47	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	28:50:04	00:59:29	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			वृष	15:29:22	13:07:49	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	23:08:48	00:25:29	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध			तुला	18:23:01	01:24:33	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	07:19:17	00:12:31	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	01:20:28	01:13:01	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि	व		मक	18:03:34	00:00:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	29:24:59	00:01:51	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	29:24:59	00:01:51	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			धनु	20:30:12	00:01:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप			धनु	22:30:35	00:00:36	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	27:55:48	00:02:10	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	02:19:45	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:39

लग्न-चलित

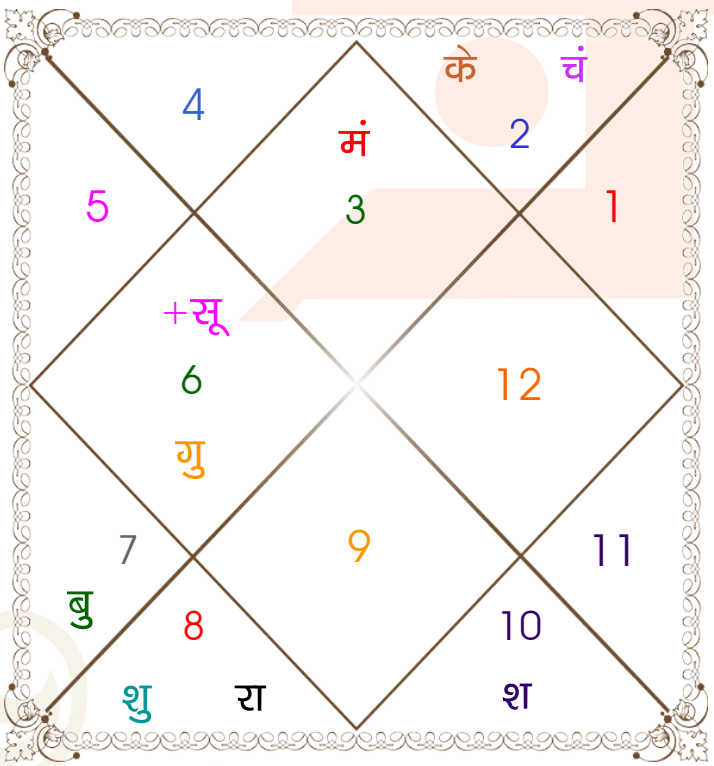

चन्द्र कुंडली

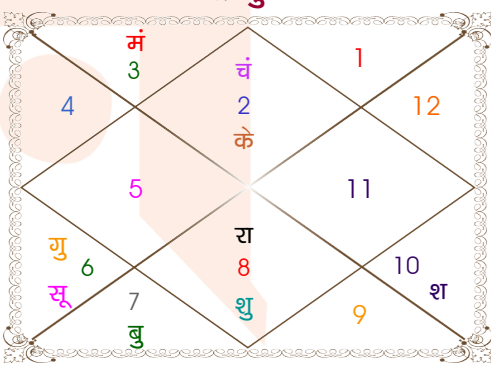

नवमांश कुंडली

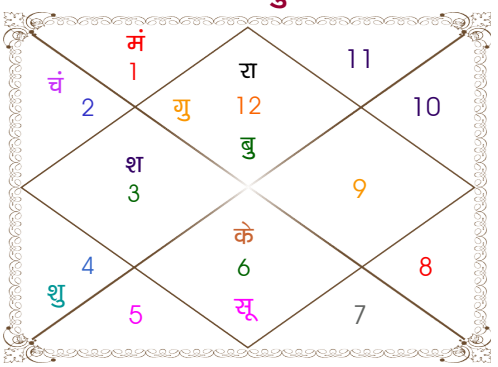

Leo AstroApt
Near Bcm School opposite Hi care Hospital Basant Avenue Dugri Ludhiana Punjab India
9041009000,7240001008,8010000138
deepakmishra131313@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 10 मास 18 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/10/1992		03/09/1998		03/09/2005		03/09/2023		03/09/2039	
03/09/1998		03/09/2005		03/09/2023		03/09/2039		03/09/2058	
	00/00/0000	मंगल	30/01/1999	राहु	16/05/2008	गुरु	22/10/2025	शनि	06/09/2042
	00/00/0000	राहु	18/02/2000	गुरु	10/10/2010	शनि	04/05/2028	बुध	16/05/2045
	15/10/1992	गुरु	24/01/2001	शनि	16/08/2013	बुध	10/08/2030	केतु	25/06/2046
गुरु	03/12/1992	शनि	05/03/2002	बुध	04/03/2016	केतु	17/07/2031	शुक्र	25/08/2049
शनि	04/07/1994	बुध	02/03/2003	केतु	23/03/2017	शुक्र	17/03/2034	सूर्य	07/08/2050
बुध	04/12/1995	केतु	29/07/2003	शुक्र	22/03/2020	सूर्य	03/01/2035	चंद्र	07/03/2052
केतु	04/07/1996	शुक्र	27/09/2004	सूर्य	14/02/2021	चंद्र	04/05/2036	मंगल	16/04/2053
शुक्र	05/03/1998	सूर्य	02/02/2005	चंद्र	16/08/2022	मंगल	10/04/2037	राहु	21/02/2056
सूर्य	03/09/1998	चंद्र	03/09/2005	मंगल	03/09/2023	राहु	03/09/2039	गुरु	03/09/2058

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/09/2058		03/09/2075		03/09/2082		04/09/2102		04/09/2108	
03/09/2075		03/09/2082		04/09/2102		04/09/2108		00/00/0000	
बुध	30/01/2061	केतु	31/01/2076	शुक्र	03/01/2086	सूर्य	23/12/2102	चंद्र	05/07/2109
केतु	27/01/2062	शुक्र	01/04/2077	सूर्य	03/01/2087	चंद्र	23/06/2103	मंगल	03/02/2110
शुक्र	27/11/2064	सूर्य	07/08/2077	चंद्र	03/09/2088	मंगल	29/10/2103	राहु	05/08/2111
सूर्य	03/10/2065	चंद्र	08/03/2078	मंगल	03/11/2089	राहु	22/09/2104	गुरु	16/10/2112
चंद्र	05/03/2067	मंगल	04/08/2078	राहु	03/11/2092	गुरु	11/07/2105		00/00/0000
मंगल	01/03/2068	राहु	22/08/2079	गुरु	05/07/2095	शनि	23/06/2106		00/00/0000
राहु	18/09/2070	गुरु	28/07/2080	शनि	03/09/2098	बुध	30/04/2107		00/00/0000
गुरु	24/12/2072	शनि	06/09/2081	बुध	05/07/2101	केतु	04/09/2107		00/00/0000
शनि	03/09/2075	बुध	03/09/2082	केतु	04/09/2102	शुक्र	04/09/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।